॥ओ३म्॥

आर्य समाज के संस्थापक
महर्षि दयानन्द सरस्वती

युवा निर्माण

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश का मासिक मुखपत्र
(सार्वदेशिक आर्य वीर दल की एक इकाई)

ओ३म्
अस्माकं वीरा उत्तरे भवन्तु

युवकों का होता जहाँ चरित्र निर्माण, आर्य वीर दल है उसका नाम

वर्ष- 1, अंक- 1
माह- फरवरी, 2017

सृष्टि संवत्- 1,96,08,53,117
विक्रमी संवत्- 2073
दयानन्दाब्द- 193

प्रति शुल्क- 15/-
वार्षिक शुल्क- 150/-

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव पर आयोजित

राष्ट्र एकता एवं अखण्डता मोटर साईकिल यात्रा

दिल्ली-टंकारा (गुजरात)-दिल्ली से लगभग 100 आर्यवीरों द्वारा 2600 कि.मी. की यात्रा

महाशय धर्मपाल जी MDH ओ३म् ध्वज दिखाकर इण्डिया गेट से यात्रा का शुभारम्भ करेंगे

यात्रा प्रारम्भ सोमवार 20 फरवरी 2017 प्रातः 6:00 बजे

टंकारा- गुरुवार 23 फरवरी प्रातः 9:00 बजे

28 फरवरी को मध्याह्न 2 बजे यात्रा का भव्य समापन समारोह

आर्य समाज, सी-3, जनक पुरी में महाशय धर्मपाल जी द्वारा ''प्रशस्तिपत्र'' वितरण

सभी आर्यजन भारी संख्या में पहुँच कर आर्यवीरों को आशीर्वाद देवें

आचार्य देवव्रत जी (महामहिम राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश) **द्वारा**

19 फरवरी गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ के शताब्दी समारोह में

यात्रा में जाने वाले सभी **आर्यवीरों को आशीर्वाद** देंगे

स्वामी सुमेधानन्द जी (सांसद सीकर) **द्वारा**

यात्रा में विशेष मार्गदर्शन और

सीकर में **आर्यवीरों का भव्य स्वागत समारोह**

आर्य जगत के भामाशाह, युवाओं के प्रेरणास्रोत,

आर्य वीर दल पर सदैव अपना वृदहस्त रखने वाले

महाशय धर्मपाल जी के सौजन्य से टंकारा यात्रा

सुरेशचन्द्र अग्रवाल जी (प्रधान, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा)

द्वारा गुजरात में आर्यवीरों को विशेष स्नेहाशीष व

आर्य समाज अहमदाबाद में स्वागत सम्मान

''राष्ट्र की एकता व अखण्डता के लिए जातिवाद, प्रान्तवाद, भाषावाद का त्याग करें''

टंकारा मोटर साईकिल यात्रा की पूर्व समृत्तियाँ

वर्ष 2005

वर्ष 2014

युवा निर्माण पत्रिका एवं टंकारा मोटर साईकिल यात्रा हेतु शुभकामना संदेश

Acharya Devvrat
Governor
Himachal Pradesh

आचार्य देवव्रत
राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

सत्यमेव जयते

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि 'ऋषिबोधत्सव' के अवसर पर आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश द्वारा 'राष्ट्र एकता एवं अखण्डता' मोटर साइकिल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है और इस अवसर पर युवा निर्माण मासिक पत्रिका का शुभारम्भ भी किया जा रहा है।

सुदृढ़ राष्ट्र के निर्माण और भावी पीढ़ी में राष्ट्रीयता की भावना का संचार करने में आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश हमेशा ही तत्पर रहा है और पूर्ण समर्पण से अनेक गतिविधियों को संचालित कर देश में नव चेतना का संचार कर रहा है। ऋषि दयानंद सरस्वती जी की शिक्षाओं और प्रेरणा से प्रभावित होकर आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश ने समाज में नव जागरण में अहम् भूमिका निभाई है।

मुझे खुशी है कि स्वामी दयानंद सरस्वती जी के विचारों से प्रभावित होकर आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है, जो निश्चित तौर पर भावी पीढ़ी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पत्रिका एवं यात्रा के सफल आयोजन की हार्दिक शुभकामनाएं।

(देवव्रत)

सुमेधानन्द सरस्वती
संसद सदस्य (लोक सभा)
सीकर (राजस्थान)

सत्यमेव जयते

सदस्य :
- स्थायी समिति : मानव संसाधन विकास मंत्रालय
- आचार समिति
- परामर्शदात्री समिति : कृषि मंत्रालय

क्रमांक: 1570/नई दिल्ली
दिनांक: 13 फरवरी 2017

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हुआ कि आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी ऋषिबोधोत्सव (महर्षि दयानन्द के बोध उत्सव) पर 'दिल्ली' से महर्षि दयानन्द की जन्म–स्थली 'टंकारा' गुजरात तक 20 फरवरी से 28 फरवरी 2017 तक, नौ दिवसीय मोटरसाईकिल यात्रा **''राष्ट्र एकता एवं अखण्डता''** के नाम से आयोजन करने जा रहा है। इस यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता का प्रसार करना है। साथ ही यह भी हर्ष का विषय है कि आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश, इस वर्ष से अपनी मासिक पत्रिका **''युवा निर्माण''** प्रारम्भ कर रहा है। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका समाज में आर्य विचारधारा का प्रचार व प्रसार करने में एक स्तम्भ का कार्य करेगी। मैं उक्त दोनों राष्ट्र हितैसी पुनीत कार्यों के लिए आर्य वीर दल के सभी अधिकारियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

शुभाकांक्षी

(सुमेधानन्द सरस्वती)

सांसद (लोक सभा)
बागपत, उत्तर प्रदेश
पूर्व पुलिस आयुक्त, मुम्बई

Member of Parliament (Lok Sabha)
Baghpat, Uttar Pradesh
Ex. Commissioner of Police, Mumbai

सत्यमेव जयते

डॉ. सत्यपाल सिंह
DR. SATYAPAL SINGH

दिनाक 14/02/2017

शुभकामना संदेश

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश **"राष्ट्र एकता एवं अखण्डता"** के उद्देश्य से ऋषिबोधोत्सव पर दिल्ली से टंकारा – गुजरात, 20 फरवरी से 28 फरवरी 2017 तक 100 आर्यवीरों की एक मोटरसाईकिल यात्रा का आयोजन कर रहा है एवं फरवरी माह से **"युवा निर्माण"** नाम से अपनी एक मासिक पत्रिका का सम्पादन करने जा रहा है। ऋषि दयानन्द के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश एक सराहनीय कार्य कर रहा है। इन दोनों कार्यों हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रकट करता हूँ।

शुभाकांक्षी
14/2/17
(डॉ॰ सत्य पाल सिंह)

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश
मुख्य कार्यालय, आर्य समाज,
मिंटो रोड, नई दिल्ली – 110002

MDH

दिनांक 14.2.2017

सन्देश

मुझे यह जानकार अति प्रसन्नता हो रही है कि ऋषिबोधत्सव के अवसर पर आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश राष्ट्र एकता एवं अखंडता मोटर साईकल यात्रा का आयोजन कर रहा है एवं एक पत्रिका ''युवा निर्माण'' के नाम से का सम्पादन भी कर रहा है ।

मुझे खुशी है कि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के विचारों से प्रभावित होकर आर्य वीर दल दिल्ली जो कार्य कर रहा है वह बड़ा ही सराहनीय है ।

शुभकामनाओं सहित ।

महाशय धर्मपाल

युवा निर्माण पत्रिका एवं टंकारा मोटर साईकिल यात्रा हेतु शुभकामना संदेश

सुरेशचन्द्र आर्य
प्रधान
सार्वदेशिक आर्यप्रतिनिधि सभा, दिल्ली

शुभकामना सन्देश

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि आर्यवीर दल, दिल्ली प्रदेश द्वारा महर्षि दयानन्द के जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव पर राष्ट्र एकता एवं अखंडता मोटर साइकिल यात्रा का भव्य आयोजन किया गया है। लगभग 100 आर्यवीर मोटर साइकिलों पर दिल्ली से टंकारा तक की 2600 किलोमीटर की यात्रा तय करेंगे। मैं इस यात्रा के आयोजन हेतु आर्यवीर दल, दिल्ली प्रदेश के सभी पदाधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और परम पिता परमात्मा से इस यात्रा की सफलता हेतु मंगल कामना करता हूँ।

आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास कि इस यात्रा से सभी आर्यवीरों में एक नई स्फूर्ति और उत्साह का जागरण होगा और ऋषि की जन्मभूमि टंकारा पहुँचकर वे महर्षि दयानन्द के मिशन को पूरा करने का संकल्प लेकर लौटेंगे।

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा

पंजीकृत कार्यालय : प्लाट 85/1, मॉडल टाउन, जालन्धर-144 003, पंजीकृत संख्या-18 (1948-49)
प्रशासनिक कार्यालय : मंदिर मार्ग, नई दिल्ली-110001
संपर्क : 011-23362110, 23360059, apps1895@gmail.com

13 फरवरी, 2017

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हुआ है कि टंकारा में मनाए जाने वाले **'ऋषि बोधोत्सव'** पर आर्य वीर दल (दिल्ली प्रदेश) की ओर से एक मोटर साइकिल यात्रा टंकारा तक जाएगी। 2600 किलोमीटर लम्बी यात्रा में 100 आर्य वीर भाग ले रहे हैं।

'ऋषि बोधोत्सव' पर ये एक बहुत ही सुन्दर संकल्प है जिसके माध्यम से यह यात्रा मार्ग में अनेक स्थानों पर रुकती हुई वैदिक प्रचार का कार्य करती हुई जाएगी। आज यह आवश्यक भी है कि सामान्य लोगों को आर्य समाज और इससे संबंधित संस्थाओं की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जिससे ऋषि के स्वप्नों को सार्थक करने में सफलता मिल सके।

(एस.के. शर्मा)
मंत्री

अर्ध सरकारी पत्र सं.
D. O. No.
उपायुक्त पुलिस
प्रधानाचार्य पुलिस
प्रशिक्षण स्कूल वजीराबाद, दिल्ली
Dy. Commissioner of Police
Principal Police
P.T.S. Wazirabad, Delhi
Dated Delhi the 13/2/2017

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता व गर्व हो रहा है कि "आर्य वीर दल" दिल्ली प्रदेश द्वारा ऋषिबोधत्सव पर ऋषि दयानन्द जन्म स्थली "टंकारा", जोकि दिल्ली से लगभग 2600 कि. मी. दूर है, तक मोटरसाइकिल यात्रा "राष्ट्र एकता एवं अखंडता" का आयोजन किया है जिसमे लगभग 100 युवक भाग ले रहे है। यह एक बहुत ही उत्साहवर्धक एवं सराहनीय कदम है। साथ ही मुझे यह जानकर भी अति प्रसन्नता हो रही है कि "आर्य वीर दल" फरवरी माह से एक मासिक पत्रिका "युवा निर्माण" का प्रारंभ कर रहा है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है।

इन शुभ कार्यों के लिए मेरी तरफ से बहुत शुभकामनायें व आशीर्वाद।

(जी. एस. अवाना)

॥ ओ३म् ॥

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा

पं० जगदेवसिंह सिद्धान्ती भवन, दयानन्द मठ, रोहतक (हरयाणा)
दूरभाष: 216222 चलभाष: 08901387993
Website: www.apsharyana.org Email: aryapsharyana@gmail.com

क्रमांक............................ दिनांक.........13-02-2017

शुभ-कामना सन्देश

मुझे यह जानकार अति प्रसन्नता हुई कि आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश ऋषिबोधत्सव पर दिल्ली से टंकारा (ऋषि दयानन्द जन्मस्थली) 2600 किलोमीटर, लगभग 100 आर्य वीरों द्वारा एक मोटर साइकिल यात्रा **'राष्ट्र एकता एवं अखण्डता'** के नाम से आयोजन कर रहा है एवं फरवरी माह से अपनी एक मासिक पत्रिका **'युवा निर्माण'** प्रारम्भ कर रहा है।

अत: आप राष्ट्र निर्माण में युवाओं को जोड़कर एवं महर्षि दयानन्द जी के सन्मार्ग पर चलकर देश की एकता व अखण्डता के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं। इन दोनों शुभ कार्यों के लिए आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश को मेरी तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं।

आचार्य सर्वमित्र आर्य
प्रस्तोता
आर्य विद्या परिषद् हरयाणा
दयानन्दमठ रोहतक

आर्य वीर दल रहा रहेगा, प्राण आर्यों का

"आर्य वीर दल रहा रहेगा, प्राण आर्यो का" जब इस गीत को गुनगुनाते हैं तो वास्तव में लगता है कि मानवमात्र को सुपथ पर लाना **"आर्य वीर दल"** के बिना सम्भव नहीं है।

वर्त्तमान में चहुँ ओर दृष्टपात करते हैं तो सर्वत्र विभिन्न नौजवानों के संगठन कार्य करते दिखते हैं जहाँ नौजवान किसी न किसी रूप में सामाजिक कार्यो को करता हुआ नजर आता है। किन्तु इसमें समस्या यह है कि इन नौजवानों को सही मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं है। कोई संगठन कुछ बच्चों को नि:शुल्क स्कूल की पढ़ाई करवाता है, कोई नि:शुल्क कम्बल, वस्त्र व भोजन सामग्री बांटता है, कोई सफाई कराता है, कोई पर्यावरण के लिये कार्य करता है, कोई रोगी व वृद्धों की सेवा करता है आदि-आदि, यह सभी प्रकल्प समय-समय पर होने सही भी हैं और होने भी चाहिएं। किन्तु यह भी सत्य है कि इतना सब कुछ होने व करने के बाद भी दिनोंदिन समाज में समस्यायें बढ़ती ही जा रही हैं। उसका कारण है कि समाज व कानून व्यवस्था में रोग के रोकथाम पर तो कार्य हो रहा है परन्तु रोग ही न हो इस पर जल्दी से कोई कार्य करता नहीं दिख रहा। ऐसे में आर्य वीर दल ही एकमात्र संगठन दिखता है, जो इस अव्यवस्था को अथवा ये कहें कि रोग को होने ही न देवें, इस पर कार्य करता है। जिसके नाम भाव से ही अज्ञान, अन्याय व अभाव जैसे सामाजिक अव्यवस्था के शत्रुओं से लड़ने का अर्थ सिद्ध होता है। जिसकी भट्टी में तप कर मनुष्य विद्यावान्, चरित्रवान्, संस्कारवान्, बलवान, मानवमात्र का हितैषी, राष्ट्रभक्त व समाज सुधारक बनता है। आर्य वीर दल वैदिक संस्कृति रक्षा, शक्ति संचय व सेवा का लक्ष्य लिए **"वसुधैव कुटुम्बकम्"** को आधार मानकर **"कृण्वन्तो विश्वमार्यम्"** के उद्घोष के साथ समाज में नव रक्त का संचार करने के लिए पूरी कर्मठता से तत्पर है।

यदि आप भारतीय समाज की व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने में अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं तो अभी से अपने नजदीकी में जो भी आर्यसमाज या आर्य वीर दल की शाखा संचालित है, उससे जुड़कर अपना आत्म-गौरव बढ़ाते हुए राष्ट्रोत्थान में अपना योगदान देवें।

जगबीर आर्य, सम्पादक (युवा निर्माण)
संचालक, आर्यवीर दल दिल्ली प्रदेश, (पंजी.)

भारत सरकार द्वारा पद्मश्री का सम्मान डॉ. पूनम सूरी को प्रदान करने से पद्मश्री अवार्ड का गौरव बढ़ा- आचार्य देवव्रत, महामहिम राज्यपाल हिमाचल प्रदेश

डॉ. पूनम सूरी जी

आर्य जगत् के लिए यह बहुत हर्ष व गौरव का क्षण है कि आर्यसमाज के मूर्धन्य सन्यासी महात्मा आनन्द स्वामी जी के पौत्र **डॉ. पूनम सूरी जी (प्रधान-डी.ए.वी. मैनेजिंग कमेटी व आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा)** को शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने पर भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस विशेष उत्सव पर आपने अपने निवास स्थान पर यज्ञ का भव्य आयोजन किया। जिसमें आपने हिमाचल प्रदेश के **महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी** सहित डी.ए.वी., आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा के प्रमुख अधिकारियों एवं आर्यजगत् के सन्यासियों, विद्वानों व आर्य वीर दल के अधिकारियों को विशेष रूप से आमन्त्रित किया। **दल के कोषाध्यक्ष श्री जितेन्द्र भाटिया जी ने आपका दल की ओर से पुष्प-माला द्वारा अभिनन्दन किया। इस अवसर पर आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के महामन्त्री श्री बृहस्पति आर्य**

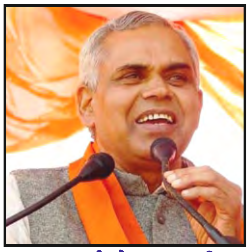

आचार्य देवव्रत जी

व उपमन्त्री श्री संजय आर्य, श्री मनोज आर्य, श्री यश आर्य भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ यज्ञ द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशेषरूप से आमन्त्रित **आचार्य देवव्रत जी, महामहिम राज्यपाल ने आपको शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा प्रदत्त पद्मश्री का सम्मान डॉ. पूनम सूरी को देने से पद्मश्री अवार्ड का गौरव बढ़ा है।** डी.ए.वी. अपने स्थापना के समय जिन उद्देश्यों को लेकर आगे बढ़ी थी, उनको आप अपने कार्यकाल में मूर्त्तरूप देने का कार्य कर रहे हैं। आपके नेतृत्व में डी.ए.वी. निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर है और आपके व्यक्तित्व एवं नेतृत्व कुशलता का ही प्रभाव है कि आज डी.ए.वी. और आर्यसमाज योजनाबद्ध रूप से राष्ट्र निर्माण के कार्यों में प्रगतिशील है। **आपके द्वारा यह जानकारी भी दी गई कि पिछले एक वर्ष में जब-जब मेरा भारत के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से भेंट हुई, तब-तब उन्होंने व्यक्तिगत रूप से आपकी चर्चा की। अन्त में श्री पूनम सूरी जी द्वारा आये हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया और कहा कि यह सम्मान आप का सम्मान है, आप सभी के सहयोग का ही परिणाम है कि आज डी.ए.वी. व आर्य समाज प्रगति कर रहा है।**

यश आर्य उपमंत्री, आ.वी.दल, दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

हरयाणा आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में

आचार्य बलदेव जी के प्रथम स्मृति दिवस का भव्य आयोजन

आर्य जगत् के प्रसिद्ध सन्यासी, आर्ष शिक्षा व संस्कृति के पोषक, सरलता व विनम्रता की मूरत, हजारों ब्रह्मचारियों व विद्वानों के प्रेरणास्रोत, समाज के आदर्श, गौभक्त, यज्ञप्रेमी, विभिन्न संगठनों व सभाओं को अपना मार्गदर्शन व प्रतिनिधित्व प्रदान करने वाले **आचार्य बलदेव जी के प्रथम स्मृति दिवस** का भव्य आयोजन हरयाणा आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा 28 जनवरी, 2017 को दयानन्द मठ, रोहतक में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में **आचार्य देवव्रत**, महामहीम राज्यपाल, (हिमाचल प्रदेश), **चौधरी बीरेन्द्र सिंह** (इस्पात मन्त्री, भारत सरकार), **कैप्टन अभिमन्यु** (वित्तमन्त्री, हरियाणा सरकार), **श्री ओम्प्रकाश धनखड़** (कृषि मन्त्री, हरियाणा सरकार), **श्री मनीष ग्रोवर** (सहकारिता मन्त्री, हरियाणा सरकार), सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान **श्री सुरेशचन्द्र अग्रवाल** व महामन्त्री **श्री प्रकाश आर्य**, हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा के नवनिर्वाचित प्रधान **श्री रामपाल आर्य**, विभिन्न गुरुकुलों के आचार्य, विद्वान् व सन्यासियों के साथ विभिन्न प्रान्तीय सभाओं के अधिकारी, गौरक्षा दल के सदस्यों सहित आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के पदाधिकारी **श्री बृहस्पति आर्य, श्री जितेन्द्र भाटिया, श्री संजय आर्य, श्री पवन आर्य व श्री यश आर्य** उपस्थित थे। साथ ही हजारों की संख्या में आचार्य जी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए लोग उपस्थित थे।

आए हुए सभी अतिथियों ने आचार्य जी के जीवन व कार्यों पर प्रकाश डाला और महामहीम जी के कर-कमलों द्वारा एक **"आचार्य बलदेव सभागार"** का शिलान्यास किया गया। जिसमें युवाओं के निर्माणार्थ पूरे वर्ष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। सभी ने संकल्प लिया कि आचार्य जी के अधूरे कार्यों को सभी मिलकर पूरा करेंगे और राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग देंगे।

संजय आर्य, उपमंत्री, आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में

आचार्य ब्र० राजसिंह आर्य के द्वितीय स्मृति दिवस का आयोजन

सत्य सनातन वेद मन्दिर एवं आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश द्वारा 5 जनवरी, 2017 को आचार्य ब्र० राजसिंह आर्य जी के **"द्वितीय स्मृति दिवस"** का आयोजन ब्रह्मचारी जी के निवास स्थान सब्जी मण्डी, दिल्ली में प्रात: 9 बजे से 12 बजे किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ यज्ञ द्वारा किया गया जिसके ब्रह्मा आचार्य यशपाल जी शास्त्री (प्रीत विहार) थे व श्री देव आर्य जी के मधुर भजनों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित किए गए व आए हुए अतिथियों द्वारा आचार्य जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया कि किस प्रकार आपने महर्षि दयानन्द की वैदिक मान्यताओं को आर्यसमाज के माध्यम से प्रचारित व प्रसारित किया तथा अपनी नेतृत्व कुशलता व कर्मठता के आधार पर युवाओं को आर्य वीर दल के माध्यम से राष्ट्रहित के लिए तैयार किया। आपकी प्रेरणा से सैकड़ों युवकों का जीवन परिवर्तित हुआ। आपका प्रेमपूर्वक व्यवहार, आतिथ्य, वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए कर्मठता, यज्ञ के प्रति प्रेम, संगठनकर्त्ता आदि योग्यता एक आदर्श पथ-प्रदर्शक के रूप में रही है। आपका इस धरा से जाना निश्चित ही आर्य जगत् व राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति हुई है।

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश द्वारा सभी कार्यक्रम वर्ष 2015-16 में आपको समर्पित कर आयोजित किए गए।

स्मृति दिवस पर ब्रह्मचारी जी के परिवार के सदस्यों के अतिरिक्त दल के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक व कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

जितेन्द्र भाटिया, व्यवस्थापक (युवा निर्माण)
कोषाध्यक्ष, आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश (पंजी.) एवं
महामंत्री सत्य सनातन वेद मन्दिर, रोहिणी

''जिन्दगी ऐसी बना बशर, जिन्दा रहे दिलशाद तू, जब कभी दुनिया से जाये, तो दुनिया को याद आये तू''

इस पत्रिका को प्रकाशित करने की आवश्यकता क्यों ?

बन्धुओं!

वर्त्तमान में समाज का निर्माण करने वाला युवा अधिकांशतः दिग्भ्रमित है। उनकी स्वयं अपने प्रति, समाज, राष्ट्र व विश्व स्तर पर क्या भूमिका है? यह बताने, समझाने व मार्ग प्रशस्त करने वाला आस-पास कोई नहीं है और जो दृष्टिगत होता है उसमें अधिकांशतः एक-दूसरे से विभाजित करने वाली नीतियाँ, वर्त्तमान शिक्षा प्रणाली, व्यवहार व मित्र मंडली है।

ऐसी विकट स्थिति में आग में घी डालने का काम वर्त्तमान समय में संचालित विभिन्न क्षेत्रीय व राष्ट्रीय समाचार-पत्रों का अदूरदर्शी व भ्रमित करने की शिक्षा नीति को अपनाना, विभिन्न मत-सम्प्रदायों द्वारा पत्रिकाओं के माध्यम से फैलाई जा रही संकीर्ण विचारधारा, राजनैतिक स्वार्थपूर्ति के वशीभूत लेख, स्व-लोकेष्णा की पूर्ति हेतु प्रकाशित पत्रिकाएं, युवाओं को पथभ्रष्ट कर उनके भविष्य को मानो ज्वालामुखी की प्रचण्ड अग्नि में स्वाहा करती जा रही हो।

ऐसी स्थिति में विचारणीय है कि इतनी पत्र-पत्रिकाओं के जंगल में प्रकाशित किस विषय को सत्यता के आधार पर प्रमाणित मानें। कहीं कोई हमारा अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए ही उपयोग कर हमारे धन, समय व शक्ति को नष्ट कर रहा हो और हमें अपने उद्देश्यों व लक्ष्य से भटका रहा हो।

इसके उपरान्त शेष वर्त्तमान की कुछ मनोरंजन, व्यापार व खेलकूद से सम्बन्धित पत्र-पत्रिकाएं वर्त्तमान समाज के निर्माण में भूमिका निभाएं, यह सोचना तो एक अविवेकता ही होगी।

ऐसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए वर्तमान समाज में एक ऐसी पत्रिका की आवश्यकता है जो किसी संकीर्ण सोच की द्योतक न हो। ईर्ष्या, द्वेष, राजनैतिक स्वार्थपूर्ति को पोषित ना करती हो। जो किसी साम्प्रदायिक सोच की जंजीरों में कैद न हो। जो नशाखोरी, मांसाहार, भ्रष्टाचार, रूढ़िवाद, जातिवाद और पाश्चात्य मानसिक गुलामी पर निर्भीकता से प्रहार कर हमारी जीवन शैली को सुव्यवस्थित बनाने में सहायक हो और जो नि:स्वार्थ भाव से लोक-कल्याण की भावना को पोषित कर **"जीयो और जीने दो"** के सिद्धान्त पर आधारित हो। जो मानवता, समाज, राष्ट्र व विश्व के हितों की रक्षा करती हो और जो सार्वभौमिक हो।

उपरोक्त विषयों के विचारने पर एक मात्र संगठन आर्य वीर दल ही दृष्टि गोचर होता है, जो अपने स्थापना काल से ही, दैनिक शाखाओं व मानव निर्माण शिविरों के माध्यम से राष्ट्रहित, मानवहित व समाज सुधार के कार्यों को करने के लिए दृढ़ता से सतत संघर्ष करता रहा है, वह आर्य वीर दल वर्त्तमान समय की विषम परिस्थितियों में समाज के शिक्षा जगत में व्याप्त संस्कारहीनता को संस्कारित करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के उद्देश्य से मासिक पत्रिका का प्रकाशन कर रहा हैं। **इसमें संगठनात्मक विषयों के अतिरिक्त युवा निर्माण के शोधात्मक विषयों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।**

''युवा निर्माण'' पत्रिका के संचालन का संकल्प लिए ईश्वर के आशीर्वाद, ऋषि-महर्षियों व पूर्वजों द्वारा दिखाए गए सन्मार्ग का दृढ़ता से पालन करने का प्रयास करते हुए आप सभी की प्रेरणा व स्नेह से यह पत्रिका, आप सभी के सन्मुख प्रस्तुत है। यह पत्रिका युवाओं के जीवन का अभिन्न अंग बनकर **''युवा निर्माण''** का कार्य करे तो संगठन इस पत्रिका को संचालन करने में अपनी सफलता समझेगा।

यह पत्रिका प्रेम, भाईचारा व महर्षि दयानन्द सरस्वती के स्वप्न **"कृण्वन्तो विश्वमार्यम्"** की भावना को दृष्टिगत रखते हुए **''संगच्छध्वम् संवदध्वम्''** की उदारवादी विचारधारा को आधारभूत मानकर विश्व पटल पर स्थापित करने का प्रयास करेगी।

धन्यवाद।

बृहस्पति आर्य, सह-सम्पादक (युवा निर्माण)
महामंत्री, आर्यवीर दल दिल्ली प्रदेश, (पंजी.)

आर्य वीर दल की स्थापना

पंडित लेखराम, महाशय राजपाल, स्वामी श्रद्धानन्द आदि अनेक वैदिक विद्वानों व संन्यासियों की कुछ व्यक्तियों की मतान्धता में आकर निर्मम हत्या के उपरान्त, आर्य जगत् को आर्य नेताओं, वैदिक विद्वानों, सामाजिक उत्सवों, राष्ट्र व समाज की सुरक्षा हेतु एक विशेष समर्पित दल की आवश्यकता सर्वत्र महसूस हुई। 1927 में हुए प्रथम आर्य महासम्मेलन में **महात्मा नारायण स्वामी** एवं **महात्मा हंसराज जी** की अध्यक्षता में **"आर्य रक्षा समिति"** का गठन किया गया, जिसके मन्त्री पद का कार्यभार **पंडित इन्द्र विद्यावाचस्पति** जी को दिया गया। समिति का कार्य था कि वह देश भर में भ्रमण कर 10 हजार ऐसे स्वयंसेवकों का चयन करे, तो धर्मरक्षा एवं राष्ट्ररक्षा के लिये प्राण तक अर्पण करने में सदा उद्यत हों और रक्षा निधि के लिये 50 हजार रुपये एकत्र करे। आर्यो के भारी उत्साह के फलस्वरूप बहुत कम समय में ही 12 हजार स्वयंसेवक व लक्षित धन एकत्र हो गया।

समिति ने स्वयंसेवकों के दल का नाम **"आर्य वीर दल" रखा और 26 जनवरी 1929 को सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने इसका संविधान बनाकर "आर्य वीर दल" की विधिवत् स्थापना कर दी। श्री शिवचन्द्र जी** इसके प्रथम संचालक नियुक्त किये गये।

क्रमशः......

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी द्वारा लिखित अपना जन्मचरित्र

मैं स्वामी दयानन्द सरस्वती संक्षेप से अपना जन्मचरित्र लिखता हूँ। संवत् 1881 के वर्ष में मेरा जन्म दक्षिण गुजरात प्रान्त देश काठियावाड़ का मजोकठा देश मोर्वी का राज्य औदीच्य ब्राह्मण के घर में हुआ था, यहाँ अपना पिता का निज निवास स्थान के प्रसिद्ध नाम इसलिये मैं नहीं लिखता कि जो माता-पिता आदि जीते हों मेर पास आवें तो इस सुधार के काम में विघ्न हो क्योंकि मुझको उनकी सेवा करना उनके साथ घूमने में श्रम और धन आदि का व्यय कराना नहीं चाहता। मैंने पाँचवें वर्ष में देवनागरी अक्षर पढ़ने का आरम्भ किया था। और मुझको कुल की रीति की शिक्षा भी माता-पिता आदि किया करते थे, बहुत से धर्मशास्त्रादि के श्लोक और सूत्रादि भी कण्ठस्थ कराया करते थे। फिर आठवें वर्ष में मेरा यज्ञोपवीत कराके गायत्री संध्या और उसकी क्रिया भी सिखा दी गई थी और मुझको यजुर्वेद की संहिता का आरम्भ कराके उसमें से प्रथम रुद्राध्याय पढ़ाया गया था, और मेरे कुल में शैव मत था उसी की शिक्षा भी किया करते थे। और पिता आदि लोग यह भी कहा करते थे कि पार्थिव पूजन अर्थात् मिट्टी का लिंग बनाके तू पूजा कर और माता मने किया करती थी कि यह प्रातः काल भोजन कर लेता है इससे पूजा नहीं हो सकेगी। पिताजी हठ किया करते कि पूजा अवश्य करनी चाहिए, क्योंकि कुल की रीति है तथा कुछ-कुछ व्याकरण का विषय और वेदों का पाठ मात्र भी मुझको पढ़ाया करते थे। पिताजी अपने साथ मुझको जहाँ तहाँ मन्दिर और मेल-मिलापों में ले जाय करते और यह भी कहा करते थे कि शिव की उपासन सबसे श्रेष्ठ है। इस प्रकार चौदहवें (14) वर्ष की अवस्था के आरम्भ तक यजुर्वेद की संहिता संपूर्ण और कुछ अन्य वेदों का भी पाठ पूरा हो गया था। और शब्द रूपावली आदि छोटे-छोटे व्याकरण के ग्रन्थ भी पूरे हो गये थे। पिताजी जहाँ-जहाँ शिव पुराण आदि की कथा होती थी वहाँ मुझको पास बैठा कर सुनाया करते थे और घर में भिक्षा की जीविका नहीं थी किन्तु जमींदार और लेन-देन से जीविका के प्रबन्ध करके सब काम चलाते थे। और मेरे पिता ने माता के मने करने पर भी पार्थिव पूजन का आरम्भ करा दिया था। क्रमशः......

वेद स्वाध्याय

अग्निमीळे पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम्। होतारं रत्नधातमम्॥ ऋ० १।१।१॥

मैं (**पुरोहितम्**) सृष्टि उत्पत्ति से पूर्व कारण रूप प्रकृति को धारण और (**ऋत्विजम्**) सृष्टि उत्पत्ति काल में परमाणु का संयोग कर सृष्टि की रचना करने (**यज्ञस्य होतारम्**) सृष्टि की उत्पत्ति के पश्चात् (**रत्नधातमम्**) विविध रत्नों से युक्त पृथिवी एवं अन्य लोकों के धारण करने वाले (**देवम्**) सब पदार्थों के प्रदाता, प्रकाशक (**अग्निम्**) सबके नेता, ज्ञानस्वरूप परमेश्वर की (**ईडे**) स्तुति करता हूँ।

छेदन, भेदन, धारण, आकर्षण गुण वाले (**ऋत्विजम्**) विविध यन्त्रों को गति देने वाले (**देवम्**) प्रकाशयुक्त (**रत्नधातमम्**) रमणीय पदार्थों को प्राप्त कराने वाले (**अग्निम्**) भौतिक अग्नि के (**ईडे**) गुणों को जान उसका सदुपयोग करता हूँ।

इस मन्त्र में अग्नि आध्यात्मिक और भौतिक दोनों ही अर्थों में प्रयुक्त हुआ है। इसी भांति राजा, सभाध्यक्ष, विद्वान् को भी अग्नि कहते हैं। यहाँ अग्नि शब्द द्वारा ईश्वर का ग्रहण किया है।

पुरोहितम्-सृष्टि की उत्पत्ति से पहले भी वह परमेश्वर सबका अग्रणी था और उसमें सृष्टि की रचना करने का ज्ञान तथा सामर्थ्य भी था।

यज्ञस्य होतारम्- परमेश्वर स्वयं यज्ञ स्वरूप है जिसने अपने ज्ञान एवं सामर्थ्य से एक-एक परमाणु को मिलाकर इस संसार की अद्भुत रचना की है।

ऋत्विज् से अभिप्राय यह है कि ऋतु अर्थात् जब सृष्टि रचने का समय आता है तो वह प्रभु अपनी ईक्षण क्रिया से सृष्टि की उत्पत्ति करता है। जैसे एक के पश्चात् दूसरी ऋतु बदल कर आती रहती है वैसे ही अनादि काल से सृष्टि की उत्पत्ति और प्रलय का यह क्रम चल रहा है।

भोगापवगार्थं दृश्यम् (योग० २/१८) भोग और अपवर्ग मोक्ष के लिये सृष्टि रचना हुई है और इससे रत्नधातमम्- विविध रत्न, हीरे, मोती, स्वर्णादि बहुमूल्य पदार्थों का निर्माण किया है। हमारी सारी आवश्यकताओं की आपूर्ति इस भूमि माता से ही होती है।

इन दिव्य गुणों के प्रकाशक, मार्गदर्शक, ज्ञानस्वरूप अग्नि परमेश्वर की मैं स्तुति करता हूँ। इन भौतिक अग्नि में भी दिव्य गुणों को उसी परमेश्वर ने भरा है जिन्हें जानकर हम अपना जीवन सुखी बना सकते हैं।

स्वामी देवव्रत सरस्वती
प्रधान सञ्चालक, सार्वदेशिक आर्य वीर दल

दिल्ली के सभी व्यायाम शिक्षक व उपव्यायाम शिक्षकों की शिक्षक कार्यशाला आगामी 4-5 मार्च, 2017 को आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के मुख्य कार्यालय पर अयोजित की जाएगी।

आर्य वीर दल का 88वाँ स्थापना दिवस भव्यता से सम्पन्न

आर्य वीर दल के 88वें स्थापना दिवस पर आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश एवं आर्यसमाज प्रीत विहार के संयुक्त तत्त्वावधान में आर्यवीरों द्वारा विशाल पथ-संचलन का आयोजन बहुत भव्यता से आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 26 जनवरी, 2017 को मध्याह्नः 12 बजे ध्वजारोहण द्वारा प्रारम्भ किया गया। आर्य वीर दल के **पवित्र ध्वज का ध्वजारोहण श्रीमान् ठाकुर विक्रम सिंह (अध्यक्ष), राष्ट्र निर्माण पार्टी के कर-कमलों एवं राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण श्रीमान् आनन्द कुमार, आईपीएस एवं पूर्व डीसीपी द्वारा किया गया।** इसके पश्चात् आर्य समाज प्रीत विहार की ओर से सभी के लिए प्रातःराश का प्रबन्ध किया गया। आर्य समाज प्रीत विहार के प्रधान श्री सुरेन्द्र कुमार रैली जी का इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में विशेष सहयोग रहा। इसके लिए दल आपका आभारी है। **दल के 550 से अधिक आर्यवीर पथ-संचलन हेतु राष्ट्र को एकता का सन्देश देने के लिए सुसज्जित थे। इस विशाल पथ-संचलन का शुभारम्भ श्रीमान् मनोज गुलाटी के कर-कमलों से पवित्र ओ३म् ध्वज को दिखाकर किया गया।** जैसे ही पथ-संचलन प्रीत विहार क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से गुजरने के लिए शुरू हुआ वैसे ही मूसलाधार बारिश शुरू हो गई लेकिन धुन के धनी और इरादों के पक्के आर्यवीर इस पथ-संचलन को गति प्रदान करते रहे। **"हो रही धरा विकल हो रहा गगन विकल"** नामक गीत की धुन पर सभी आर्यवीर कदम से कदम मिलाकर जनसमूह को राष्ट्र एकता का सन्देश दे रहे थे।

पथ-संचलन के समस्त मार्गों पर सभी आर्यवीरों का फूल-मालाओं द्वारा स्वागत एवं जलपान की सुन्दर व्यवस्था क्षेत्रीय अधिकारियों एवं आर्यसमाजों की ओर से की गई थी। इसके लिये हम सभी का धन्यवाद करते हैं। मौसम की विपरीत परिस्थितियों में आर्यवीरों का विशाल पथ-संचलन उपस्थित जन-समूह को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। स्वामी दयानन्द की- जय एवं क्रान्तिकारी बलिदानियों के जयकारों से समस्त वातावरण देशभक्ति भावना से गुंजायमान हो रहा था। यह पथ-संचलन पूर्वी दिल्ली के मुख्य मार्ग प्रीत विहार से होते हुए विकास मार्ग, लक्ष्मी नगर, निर्माण विहार एवं बैंक एन्कलेव से निकलकर वापिस आर्यसमाज प्रीत विहार पर सम्पन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के श्रीमान् बृहस्पति आर्य (महामन्त्री), श्री जितेन्द्र भाटिया, (कोषाध्यक्ष), श्री वीरेश आर्य उपसंचालक व दल के स्थानीय अधिकारी श्री मधुर आर्य, श्री दिनेश आर्य सहित श्री प्रेम आर्य, श्री धर्मवीर आर्य, श्री दिनेश आर्य, श्री मोहित आर्य, श्री रवि आर्य, श्री विनीत आर्य, श्री सूरज आर्य, श्री सोनू आर्य आदि व्यायाम शिक्षक, उप-व्यायाम शिक्षक व विभिन्न कार्यकर्त्ता उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम की अन्य झलकियाँ पृष्ठ 15 पर हैं।

वीरेश आर्य
उप-संचालक, आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व डी.सी.पी श्री आनंद कुमार बांए से तीसरे

ध्वजारोहण करते श्री ठाकुर विक्रम सिंह

ओ३म् ध्वज दिखाकर परेड का शुभारम्भ करते श्री मनोज गुलाटी

आर्य वीर दल दिल्ली में कार्यरत सभी प्रमुख व्यायाम शिक्षक

शिक्षक कार्यशाला सम्पंन

दल के मुख्य कार्यालय आर्यसमाज मिण्टो रोड पर 4-5 फरवरी, 2017 को शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सभी शिक्षकों की एकरूपता व योग्यता को और अधिक प्रभावशाली बनाना था। जिससे ये शिक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में शाखाओं के माध्यम से संगठन को दृढ़ता प्रदान करते हुए आर्यसमाज की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य कर सकें। इस प्रकार की कार्यशालायें संगठन की भावी शिक्षण व्यवस्था को प्रभावशाली बनाती हैं। यह कार्यशाला प्रतिमाह आयोजित की जाती हैं।

लक्ष्य आर्य (व्यायाम शिक्षक व मण्डल संचालक)
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

विनम्र प्रार्थना

वैदिक धर्म के प्रचार प्रसार, आर्य समाज के भविष्य के लिये व आर्य वीर दल की शाखाओं के विस्तार एवं उन्नति के लिए दल में कार्यरत शिक्षकों हेतु आर्य वीर दल को मासिक सहयोग देवें।

यह आर्यवर्त्त देश ऐसा है जिसके सदृश भूगोल में दूसरा कोई देश नहीं। जिस देश के पदार्थों से अपना शरीर, मन अब भी पालन होता है और आगे भी होगा, उसकी उन्नति तन, मन, धन से सब जने मिलकर प्रीति से करें। **–स्वामी दयानन्द सरस्वती**

भारत में आतंक के खिलाफ लड़ाई में यूएई का समर्थन
आबूधाबी के युवराज शेख मोहम्मद बिन जाएद का भारत आने पर भारतीय दृष्टिकोण

कुछ दिन पूर्व भारत ने अपना 68वाँ गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी 2017 को बहुत उत्साह पूर्वक मनाया। एक लम्बे अन्तराल के उपरान्त, भारत के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जिस प्रकार दूसरे देशों से सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, नकदी जानकारी को साझा करने, विश्व से आतंक को समाप्त करने के प्रयासों से सम्बन्धित समझौते व प्राकृतिक संसाधनों का व्यवस्थित उपयोग आदि को आपसी समन्वय, सम्बन्धों व विश्वास के आधार पर सशक्त करने के प्रयास को कर विश्व स्तर पर भारतवर्ष का गौरव बढ़ा एक शक्तिशाली राष्ट्र की छवि बनाई है, वह प्रशंसनीय है। इसका एक ज्वलंत उदाहरण है कि आबूधाबी के युवराज शेख मोहम्मद बिन जाएद का भारत के गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य पर विशेष अतिथि के रूप में आमन्त्रित होना।

यह निश्चित है कि दोनो देशों के बीच हुए द्विपक्षीय व रणनीतिक समझौतों का सार्थक प्रभाव अपनी–अपनी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

इसमें भारत से आतंकवाद को समाप्त करने में यूएई का समर्थन देना महत्वपूर्ण रहा।

इसमें कट्टरपंथी विचारधाराओं को खत्म करने में जहां सहयोग मिला, वहीं भारत में आतंकी जहर को समूल नष्ट करने के संकल्प को बल मिला।

भारत का यूएई से अच्छे सम्बन्धों का ही परिणाम है कि गत वर्ष पठानकोठ एअरबेस पर हुए आतंकी हमले की निंदा करने वाले व भारत द्वारा सर्जिकल स्ट्राईक की कार्यवाही का पूर्ण समर्थन दिए जाने वाले प्रारम्भिक देशों में रहा।

इन्हीं सम्बन्धों का ही परिणाम है कि यूएई में दाऊद जैसे अपराधियों के लिए कितनी मुश्किलें बढ़ी हैं, इसका अन्दाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसकी सम्पत्तियाँ व हजारों करोड़ का धन सीज किया गया।

वर्त्तमान को देखते हुए भविष्य में दोनों देशों के बीच आपसी समन्वय व विश्वास और अधिक प्रगाढ़ होगा। ऐसा विश्वास किया जा सकता है।

राजेश आर्य, लेखा निरीक्षक
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

राजनैतिक गलियारों में चुनाव की सरगर्मियाँ

भारत एक लोकतंत्र राष्ट्र है और इसमें चुनाव की प्रक्रिया एक त्यौहार की तरह आयोजित होती हैं।

इस समय देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव का प्रचार–प्रसार अपनी चरमसीमा पर पहुँचा हुआ है। भारी जन समर्थन के द्वारा सभी पार्टियां चुनावों में जीतने हेतु अपनी सारी शक्ति लगाए हुए है। जहाँ सत्ताधारी पर्टियां सरकारी व्यवस्था को अपनी पार्टी प्रचार के उपयोग में लेकर समाज व राष्ट्र का धन पानी की तरह बहा रही हैं वहीं सत्ता से बाहर रहने वाली पार्टियां सत्ता में वापसी के लिए येन–केन–प्रकारेण लोगों का जन समर्थन लेने में किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। प्रत्येक पार्टियों की प्रचार सामग्री से राज्य की सड़के, चौराहें, गलियाँ भरी पड़ी हैं। सभी पार्टियां अपने चुनावी एजेंडे को दूसरी पार्टियों से अधिक प्रभावकारी, लुभावनी व व्यवस्था सुधार की बताकर प्रस्तुत कर रही हैं।

कोई पार्टी राजनैतिक स्वार्थ पूर्ति के लिए आरक्षण के समर्थन को पोषित करती हैं तो कोई वस्तुएं व सेवाएं मुफ्त में सुविधा देने की घोषणा करती है। यहाँ तक कि नशे के पदार्थों व धन आदि का वितरण कर जनता के वोटों को हथियाने का भी कुप्रयास करती हैं।

वस्तुत: लोकतंत्र की व्यवस्था को सुन्दर बनाने के लिए चुनावों का होना अति आवश्यक है। इससे जनता शान्तिपूर्वक अपने विचारों को वोट जनमत के आधार पर संकेत दे देती है कि किस पार्टी की नीतियाँ व व्यवहार समाज व राष्ट्र उत्थान में सहायक है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना वोट अवश्य देना चाहिए। हम सभी का कर्त्तव्य है कि इस चुनावी चकाचौंध में अपने मस्तिष्क को स्थिर व एकाग्र रखते हुए रुढ़िवादिता, भाषावाद, जातिवाद व प्रान्तवाद से ऊपर उठकर जो पार्टी राष्ट्र उत्थान के कार्यों को महत्त्व दे व अपने चुनावी एजेंडे को भी इसी मन्तव्य को रखकर तैयार करे, उसी को अपना बहुमूल्य कीमती वोट देकर उसका उत्साहवर्धन करें।

प्रेम आर्य
व्यायाम शिक्षक व मण्डल संचालक पूर्वी दिल्ली
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 104वें वार्षिकोत्सव पर आर्य युवा महासम्मेलन भव्यता से सम्पन्न

गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 104वें वार्षिकोत्सव पर शनिवार 22 अक्टूबर, 2016 को **"आर्य युवा महासम्मेलन"** गुरुकुल परिसर में भव्यता से आयोजित किया गया। इस महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में **आचार्य देवव्रत जी** (महामहीम राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश), **श्री अमित शाह** (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा), **श्री मनोहरलाल खट्टर** (मुख्यमन्त्री, हरियाणा), **कै. अभिमन्यु** (वित्तमन्त्री, हरियाणा) एवं **श्री पूनम सूरी** (प्रधान, डी.ए.वी मैनेजिंग कमेटी) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की भव्यता देखते ही बनती थी। जिसमें विभिन्न गुरुकुलों, स्कूलों, आर्यसमाजों एवं अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ लगभग **20 हजार से अधिक की संख्या में जनसमूह** मानो आर्य विचारधारा को मन में संजोए राष्ट्र निर्माण में कदम से कदम बढ़ाने को तैयार है। इस समस्त कार्यक्रम में आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के मुख्य अधिकारियों के साथ लगभग 75 आर्यवीरों ने पार्किंग व्यवस्था, एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के पश्चात् गुरुकुल के संरक्षक **आचार्य देवव्रत जी एवं प्रधान श्री कुलवंत सिंह सैनी जी द्वारा आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश को कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सहयोग करने के लिए आभार प्रकट किया।**

मधुर आर्य जिला संचालक, पूर्वी दिल्ली
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

आर्य वीर दल कैम्थल, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द स्मृति सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सम्पन्न

आर्य वीर दल कैम्थल, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा 21वीं महर्षि दयानन्द स्मृति सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका पुरस्कार वितरण 14 जनवरी, 2017 को आयोजित हुआ। इस प्रतियोगिता में इस वर्ष लगभग 72 हजार प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में वैदिक ज्ञान, राष्ट्र पर बलिदान होने वाले वीरों के विषय, भारतीय इतिहास, भारत के महापुरुषों से सम्बन्धिम विषय, साधारण सामान्य ज्ञान और आर्य समाज व आर्य वीर दल के विषयों की जानकारी देकर बौद्धिक विकास करना है।

यह गौरव का विषय है कि इस महा आयोजन में **आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के कोषाध्यक्ष श्री जितेन्द्र भाटिया जी को "आर्यवीर रत्न"** की उपाधि से सम्मानित किया गया।

इस विशाल प्रतियोगिता का आयोजन **श्री पंकज आर्य** (प्रबन्ध निदेशक) आर्य वीर दल, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) द्वारा विधिवत् करवाया जाता है ।

पवन आर्य
उपमंत्री, आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

नोटबंदी के समय आर्यवीरों का सेवा कार्य

भारत सरकार द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था को सुधारने व मजबूत करने के लिए डिमॉनोटाइजेशन का कार्य नवम्बर-दिसम्बर माह में किया गया। इस कार्य में दल के युवकों ने क्षेत्रीय स्तर पर बैंक ब्रांचों का सहयोग लेकर बैंकों के बाहर खड़े लोगों का इस व्यवस्था को सफल बनाने में सहयोग किया। यह कार्य पटेल नगर, कनॉट प्लेस, कमला नगर आदि विभिन्न क्षेत्रों में किया गया।

ब्र. संजय आर्य, शाखा नायक, मोती नगर
आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

श्रीमद्दयानन्द वेदार्ष महाविद्यालय, गुरुकुल गौतम नगर के 83वें वार्षिकोत्सव पर आयोजित आर्यवीर सम्मेलन सम्पन्न

श्रीमद्दयानन्द वेदार्ष महाविद्यालय गुरुकुल गौतम नगर के 83वें वार्षिकोत्सव एवं 37 चतुर्वेद पारायण महायज्ञ, रविवार 27 नवम्बर से रविवार 18 दिसम्बर, 2016 तक विभिन्न भव्य सम्मेलनों के साथ सम्पन्न हुआ। **जिसमें रविवार दिनांक 11 दिसम्बर को मुख्य रूप से आर्यवीर सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें गुरुकुल की ओर से यह सम्मेलन आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के तत्त्वावधान में रखा गया।** आर्य वीर दल के अथक परिश्रम से इस सम्मेलन को एक विशाल रूप देकर भव्यता प्रदान की गई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री ज्ञानेन्द्र अवाना जी (डीसीपी ऑपरेशन, दिल्ली) के दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वामी देवव्रत जी (प्रधान संचालक सार्वदेशिक आर्य वीर दल) थे। मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुरेन्द्र कोछड़, श्री रविदेव चड्ढा जी (प्रधान, वेद प्रचार मण्डल, पश्चिमी दिल्ली), श्री विद्यामित्र ठुकराल जी (कोषध्यक्ष, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा), श्री रविदेव गुप्ता जी (प्रधान, वेद प्रचार मण्डल, दक्षिणी दिल्ली) और मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य हरिप्रसाद जी उपस्थित रहे। दिल्ली आर्य वीर दल की मुख्य शाखाओं जिसमें राठधना, सोनीपत, रामा विहार, जैन नगर, सुखवीर नगर, मंगोल पुरी, सन्देश विहार, पंजाबी बाग, मोती नगर, जनकपुरी सी-3, प्रीत विहार, बिंदापुर आदि क्षेत्रों से 400 से अधिक आर्यवीरों एवं आर्य वीरांगनाओं ने सम्मिलित होकर युवा संगठन शक्ति का परिचय दिया। "आर्य वीर दल रहा रहेगा प्राण आर्यो का" गीत पर आर्यवीर एवं आर्य वीरांगनाओं द्वारा विभिन्न प्रकार का भव्य व्यायाम प्रदर्शन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में

आचार्य हरिप्रसाद जी ने कहा कि आर्य वीर दल वह भट्टी है जिसमें युवक कुंदन की तरह तप कर सुन्दर समाज का निर्माण करते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के अन्तर्गत संचालित "आदर्श आर्य वीर भजन मंडली" द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति से कार्यक्रम की शोभा दोगुनी हो गई। **स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी ने इस कार्यक्रम को देखकर आर्य वीर दल की प्रशंसा की और यह सम्मेलन प्रत्येक वर्ष करने का आग्रह किया व कार्यक्रम में आये हुए सभी अतिथियों का गुरूकुल परिवार की ओर से धन्यवाद किया। अध्यक्ष स्वामी देवव्रत सरस्वती जी ने अपने आध्यात्मिक भाषण में कहा कि आर्य वीर दल की विभिन्न शाखाओं में युवकों व युवतियों को भेजकर हम एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।** इसके उपरान्त दल के सह-सञ्चालक श्री सुन्दर आर्य जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। दल की ओर से इस कार्यक्रम में श्री जगवीर आर्य, (सञ्चालक), श्री वीरेश आर्य, (उप-सञ्चालक), श्री जितेन्द्र भाटिया, (कोषाध्यक्ष), उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात् समस्त जन-समूह के लिए गुरुकुल की ओर से ऋषि लंगर की सुन्दर व्यवस्था की गई।

दिनेश आर्य
प्रधान व्यायाम शिक्षक, आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

बालको को माता-पिता सदा उत्तम शिक्षा दें, जिससे संतान सभ्य हो और किसी अंग से कुचेष्टा न करने पाए। -स्वामी दयानन्द सरस्वती

किसी भी कार्य को करने से पहले उस पर खूब विचार करो, लेकिन ऐसा न हो कि सारा जीवन विचारते ही रह जाओ। (चन्द्रशेखर शास्त्री, संपादक-अध्यात्म पथ)

शीतकालीन शिविर गुरुकुल पौंधा में सम्पन्न

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश का शीतकालीन चिन्तन शिविर 27 दिसम्बर, 2016 से 30 दिसम्बर, 2016 तक गुरुकुल पौंधा, देहरादून में आयोजित किया गया। जिसमें दिल्ली के अलग-अलग 23 शाखाओं के 80 आर्यवीरों, कार्यकर्त्ताओं व अधिकारियों ने भाग लिया। दिल्ली से गये हुए ये युवक अपनी शखाओं के माध्यम से आर्यसमाज का प्रचार व प्रसार करते हैं। शिविर का मुख्य विषय **"आर्यसमाज व आर्य वीर दल के लिये मेरी भूमिका"** था। शिविर में विभिन्न विद्वानों व आचार्य धनञ्जय जी द्वारा वैदिक सिद्धान्त व संगठन की एकात्मकता व प्रचार-प्रसार के बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। शिविर में गए हुए आर्यवीरों ने गुरुकुल की दैनिक दिनचर्या यज्ञ में प्रतिदिन भाग लिया व एक दिन F.R.I. (म्यूजियम) और जंगल व पहाड़ का रोमांचकारी भ्रमण करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय निशानेबाज जसपाल सिंह राणा की शूटिंग रेंज में भी जाना हुआ, जहां पर राणा जी के पिता श्री नारायण सिंह राणा जी से भी उत्साहपूर्ण वातावरण में भेंट हुई व आपके द्वारा सभी आर्य वीरों को राष्ट्रहित मे कार्यों को करने के लिए प्रोत्साहित किया। दल को गुरुकुल पौंधा द्वारा सुन्दर आवासीय एवं भोजन व्यवस्था प्रदान की गई। **आचार्य धनञ्जय जी के मित्रतापूर्ण व्यवहार ने सभी के हृदय को प्रफुल्लित किया। आपके "अतिथि देवो भव" के आतिथ्य को हम कभी विस्मृत नहीं कर सकेंगे।** देवभूमि उत्तराखण्ड में स्थित गुरुकुल परिवार में बीते ये दिन सभी आर्यवीरों के हृदय पटल पर अंकित हो गए। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों का अनुशासन प्रशंसनीय व अनुकरणीय था।

इस चिंतन शिविर की समस्त व्यवस्थाओं एवं सुन्दर सहयोग के लिए गुरुकुल परिवार का हृदय से आभार प्रकट करते हैं।

शिविर के सफल संचालन में दल के विभिन्न अधिकारियों व प्रमुख शिक्षक श्री दिनेश आर्य सहित सभी शिक्षकों व विभिन्न कार्यकर्त्ताओं का विशेष योगदान रहा।

धर्मवीर आर्य
उप-प्रधान शिक्षक व मण्डल संचालक,
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

आर्यवीरों द्वारा स्वच्छता अभियान

आर्य वीर दल पटेल नगर शाखा के माध्यम से पर्यावरण को साफ रखने के लिए यज्ञ व स्वच्छता अभियान का कार्य समय-समय पर किया जाता है। 10 फरवरी, 2017 को रॉक गार्डन, पटेल नगर, दिल्ली में प्रातः 7 बजे सफाई का कार्यक्रम किया गया। जिसमें शाखा के युवकों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस कार्य को क्षेत्र के निवासियों ने बहुत सराहा।

मनीष आर्य
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

आर्य वीर दल के तत्त्वावधान में राज्य स्तर पर योगासन प्रतियोगिता की तैयारी

आगामी अप्रैल माह में आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के तत्त्वावधान में युवाओं में स्वास्थ्य लाभ को प्रोत्साहित करने के लिए प्रान्तीय स्तर पर वृहद् योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सब-जूनियर- 9 से 14 वर्ष की आयु, जूनियर 14 से 17 वर्ष की आयु व सीनियर 17 से 21 वर्ष की आयु के ग्रुप बनाए गए हैं। आप अभी से योगासनों का अभ्यास प्रारम्भ कर देवें। आगामी मार्च माह की पत्रिका में इस प्रतियोगिता से सम्बन्धित सभी जानकारियों को प्रेषित किया जाएगा।

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस 25 दिसम्बर, 2016 में आर्यवीरों की भारी उपस्थिति

आर्य केन्द्रीय सभा, दिल्ली द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर 25 दिसम्बर को विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश की ओर से इस शोभायात्रा में लगभग **1400 आर्यवीरों एवं आर्य वीरांगनाओं ने भाग लिया** और शोभायात्रा पीली कोठी से प्रारम्भ होकर सदर बाजार, चांदनी चौक, नई सड़क, चावड़ी बाजार, सीताराम बाजार से होते हुए रामलील ग्राउंड में एक विशाल जनसभा के रूप में परिवर्तित हुई।

शोभायात्रा में लगभग 5 हजार से अधिक आर्यो ने भाग लिया है। आर्य वीर दल के अधिकारियों व कार्यकर्त्ताओं ने आधुनिक यंत्रों के माध्यम से शोभायात्रा को सुनियोजित व अनुशासित रूप से चलाने में महत्वपूर्ण योगदान किया। दल द्वारा संचालित समस्त शाखायें इस शोभायात्रा में स्वामी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये पूरे उत्साह के साथ सम्मिलित होती हैं। लगभग **1250 युवक व 150 से अधिक विरांगनाओं ने उत्साहपूर्वक, व्यायाम प्रदर्शन, मार्चिंग व स्वामी जी के जीवन से जुड़ी झाँकियाँ प्रस्तुत की। शोभायात्रा की सुरक्षा व व्यवस्था में दल के लगभग 25 अधिकारियों व 60 से अधिक कार्यकर्त्ताओं ने सहयोग किया।**

इस शोभायात्रा में दल की ओर से भाग लेने वाली समस्त शाखाओं में अनुशासन, पूर्ण गणवेश, व्यायाम प्रदर्शन, रचनात्मक कार्य व अधिकतम संख्या के आधार पर प्रतिस्पर्धा करवाई जाती है। जिसके अन्तर्गत प्रतिस्पर्धीत शाखाओं को **दल की ओर से प्रथम 3100/-. द्वितीय 2100/-, तृतीय 1100/- की पुरस्करित राशि प्रदान की जाती है। इस वर्ष प्रीत विहार शाखा प्रथम, विकासपुरी डी-ब्लॉक शाखा द्वितीय व रानी बाग व रामा विहार की शाखाओं ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता निर्णायक की भूमिका में आचार्य आनन्द जी व श्री मधुसुदन आर्य थे।**

जगवीर आर्य
उप-संचालक, आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

राष्ट्र के लिये समर्पण

भारत माता राष्ट्र के चरणों में सर्वस्व समर्पण, एक यही हम सभी की साधना व भावना होनी चाहिए। इस साधना का आरम्भिक काल विद्यार्थी जीवन ही है।

विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य मात्र परीक्षा उत्तीर्ण करना, पुरस्कार प्राप्त करना या नौकरी करना ही नहीं होना चाहिए बल्कि युवाओं के हृदय में राष्ट्र के प्रति सबसे उत्तम व श्रेष्ठ लक्ष्य यह होना चाहिए कि अपने हृदय को पवित्रता के साथ शक्ति का संचय कर, उत्साहपूर्वक अपनी योग्यता, सेवा और प्राणों का समर्पण राष्ट्र के चरणों में भी समर्पित कर देवें और अपने राष्ट्र के भविष्य को सर्वश्रेष्ठ बना पुन: विश्वगुरु के स्थान पर स्थापित कर सकें।

"अखण्ड भारत का लक्ष्य लिए, पुनः विश्वगुरु के सिंहासन पर आसीन करें, यह संकल्प हो हमारा"

जिसके शरीर में बल व तेज है, मन में साहस है, जिसने योग्य गुरुओं से शिक्षा की दीक्षा को प्राप्त किया हो, जो ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करता हो, जो अपने चरित्र का गठन कर ज्ञान का संग्रह करता हो, वही राष्ट्र के लिए त्याग कर सकता है और समय आने पर आत्म आहुति दे सकता है।

जो भिक्षुक है, दीन-हीन है और जो स्वयं ही कृपापात्र है, वह कैसे राष्ट्र का निर्माण करेगा।

युवाओं को चाहिए के मन, विचार, हृदय और शरीर का पूर्ण विकास करने के उपरान्त राष्ट्रहित व समाजहित के कार्यो को करने में संलग्न होवे। जिस दिन हमारे अन्दर स्वभाविक राष्ट्रप्रेम जागृत होगा, उसी दिन हम जन साधारण के प्राणों में राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रज्ज्वलित कर सकेंगे। हमें राष्ट्रबोध के लिए हृदय की उदारता चाहिए और संकीर्ण मनोवृत्ति से अपने सम्बन्ध विच्छेद करने चाहिए तभी युवा राष्ट्र हेतु, समपर्ण के लिये तैयार होगा।

वाचस्पति शास्त्री,
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश (पंजी.)

आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश द्वारा रोज़गार योजना

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने हेतु कुछ योजनाओं पर कार्य चल रहा है। यह योजना दल के ऐसे योग्य युवकों के लिए है, जिनके परिवारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और जो स्वयं की पढ़ाई भी 8वीं/10वीं/12वीं या स्नातक तक मात्र ही बहुत मुश्किल से कर सके हैं और रोजगार प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे सभी आर्य युवक अपना बायोडाटा (रेज्योम) दल के कार्यालय पर पोस्ट करें अथवा aryaveerdaldelhirojgar17@gmail.com पर ईमेल करें। संगठन के लिए जो अपने-अपने क्षेत्रों में दल का अच्छा कार्य कर रहे हैं, दल उनके प्रोत्साहन व आजीविका के लिए रोजगार तलाशने व यथासंभव रोजगार की व्यवस्था बनाने का प्रयास करेगा। यदि आप अपने यहां आर्य युवकों को रोजगार देना चाहते हैं तो आर्य वीर दल की ईमेल- aryaveerdaldelhipradesh@gmail.com पर पूरे विवरण सहित सूचना भेजें या पत्र प्रेषित करें।

दिल्ली राज्य, रॉकबॉल चैम्पियनशिप
संयुक्त आयोजकः रॉकबॉल एसोसिएशन, दिल्ली एवं आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश

आर्य वीर दल के 26.01.2017 को 88वाँ स्थापना दिवस पर
550 आर्यावीरों द्वारा भव्य पथ-संचलन (परेड) पूर्वी दिल्ली में आयेजित

नोटबंदी के दौरान आर्य वीरों द्वारा सेवा कार्य

राष्ट्र एकात्मक यात्रा का शुभारम्भ

आर्य समाज बाहरी रिंग रोड के प्रधान श्री वेद प्रकाश आर्य व दिल्ली सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी द्वारा शोभा यात्रा का शुभारम्भ किया गया। यात्रा में आर्य वीर दल दिल्ली की बाहरी रिंग रोड, विकास पुरी डी ब्लॉक, मोती नगर व रामा विहार शाखाओं ने भाग लिया।

"युवा निर्माण" पत्रिका हेतु सदस्य बनें

"युवा निर्माण" पत्रिका के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने हेतु पत्रिका को व्यक्ति-व्यक्ति, घर-घर की आवाज बनाने के लिए इस पत्रिका का वार्षिक सदस्य बनें। वार्षिक शुल्क मात्र 150/- रुपये है।

आवश्यक सूचना

आर्य वीर दल के इतिहास से सम्बन्धित आपके पास कोई लेख/पूर्व स्मृतियाँ हैं जो आर्य वीर दल में आने वाली पीढ़ियों को उसका लाभ पहुँचा सके, वह सब दल के ईमेल- aryaveerdaldelhipradesh@gmail.com या दल के मुख्य कार्यालय पर विषय को टाईप करवाकर भेज सकते हैं। आप वॉइस रिकॉर्डिंग के माध्यम से भी वाट्सऐप पर भेज सकते हैं। वाट्सऐप नं- 9990232164 है।

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश का प्रयास है कि पूरे भारत में दल के गणवेश में एकरूपता हो। इस हेतु किसी भी प्रान्त को दल का गणवेश चाहिए तो वह आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश से सम्पर्क कर सकता है।
सम्पर्क सूत्र- 9810754638

आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश अपने कार्यों को दल के website : www.aryaveerdal.org व फेसबुकअकाउंट Arya Veer Dal Delhi Pradesh पर अपलोड करता है। आप सभी आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के इन दोनों पेजो से जुड़े व उसको लाईक और शेयर करे।

अनुपम दिनचर्या की प्राप्ति

आर्य जगत् व आर्यवीरों की भारी मांग पर "अनुपम दिनचर्या एवं गीताञ्जलि" संकलनकर्त्ता- श्री दिनेश आर्य द्वारा द्वितीय संस्करण प्रकाशित किया जा चुका है। यह सुन्दर कृति आप आर्य वीर दल, दिल्ली प्रदेश के मुख्य कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।
सम्पर्क सूत्र- 9810754638, 9990232164

(संस्था को दी गई दानराशि आयकर की धारा 80जी के अन्तर्गत कर मुक्त है)
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश के लिए, 10/63 (i) क्रिएटिव प्लैनेट, कीर्ति नगर ओद्यो. क्षेत्र, नई दिल्ली-110015 द्वारा मुद्रित
आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश, आर्यसमाज मिण्टो रोड, डी.डी.यू.मार्ग, निकट-रणजीत सिंह फ्लाईओवर, नई दिल्ली-2 से प्रकाशित
Email : aryaveerdaldelhipradesh@gmail.com | Web : www.aryaveerdal.org

सम्पादक : जगवीर आर्य 9810264634
सहसम्पादक : बृहस्पति आर्य 9990232164
व्यवस्थापक : जितेन्द्र भाटिया 9811322155
मार्गदर्शक : आचार्य हरिप्रसाद 9871516470

संस्था के समस्त अधिकारी संस्था में निःशुल्क सेवा प्रदान करते हैं

प्रेषित ____________________